प्रेस विज्ञप्ति

शाश्वत यौगिक खेती राज्य के किसानों के लिए अत्यन्त लाभकारी ..... चन्द्रशेखर साहू

रायपुर, २४ मई: छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री चन्द्रशेखर साहू ने कहा है कि शाश्वत यौगिक खेती राज्य के किसानों के लिए अत्यन्त लाभकारी है। यह वर्तमान समय की जरूरत भी है कि हम शाश्वत यौगिक खेती को अपनाएं। इससे कम लागत में अधिक पैदावार लिया जा सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य में खुशहाली यदि आ सकती है तो कृषि और कृषि उत्पादों पर आधारित उद्योगों से ही आ सकती है।

श्री चन्द्रशेखर साहू आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व-विद्यालय द्वारा शान्ति सरोवर में आयोजित शाश्वत यौगिक खेती प्रशिक्षण एवं किसान महासम्मेलन में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर वैश्विक मन्दी का असर भारत पर कम हुआ है तो उसका प्रमुख कारण भारत का कृषि प्रधान देश होना है। उन्होंने चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में खेती योग्य भूमि दिनों-दिन कम होती जा रही है। खेती की जगह पर बड़े-बड़े उद्योग और कालोनियाँ विकसित हो रही हैं। इस समय सरकार के आगे सबसे बड़ी समस्या खेती योग्य जमीन को बचाए रखने की है। आज हम अन्न उत्पादन के मामले में आत्म निर्भर हो चुके हैं। किन्तु खेती के लिए भूमि ही नहीं बचेगी तो हम क्या करेंगे?

ब्रह्माकुमारी संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक एवं मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश ने कहा कि किसानों को यौगिक खेती का प्रशिक्षण देने का कार्य इस संस्थान द्वारा किसानों की भलाई के लिए नि:स्वार्थ रूप से किया जा रहा है। जो भी किसान यह खेती करना सीखना चाहते हैं, वह कभी भी शान्ति सरोवर में आकर सम्पर्क कर सकते हैं। यौगिक खेती को अपनाकर ही छत्तीसगढ़ का विकास किया जा सकता है।

ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमारी सरला बहन ने कहा कि हरित क्रान्ति के फलस्वरूप अन्न उत्पादन के क्षेत्र में देश आत्म निर्भर हो गया है किन्तु फसल से पौष्टिकता और सात्विकता दोनों ही चीजें गायब हो गई हैं। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के प्रयोग से अन्न लगातार जहरीला होता जा रहा है। उसे फिर से पौष्टिक बनाने के लिए यौगिक खेती को अपनाने की जरूरत है। इसलिए ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा सारे देश में किसानों को यौगिक खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ0 कृष्णमूर्ति बाँधी ने कहा कि प्रकृति से दूर हो जाने के कारण जीवन कष्टमय होता जा रहा है। उन्होंने लोगों से पुन: प्रकृति से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके लिए यौगिक खेती को व्यवहार में लाया जाना चाहिए।

इस अवसर पर राज्य गौवंश आयोग के सदस्य प्रेम सिंघानिया, कृषि वैज्ञानिक रजनीश अवस्थी सहित देश के कोन-कोने से पधारे सैकड़ों कृषि विशेषज्ञ उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में क्षेत्रीय प्रशासिका ब्रह्माकुमारी कमला बहन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संचालन राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी किरण बहन ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राज्य के कृषकगण एकत्रित हुए।

प्रेषक : मीडिया प्रभाग
प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज, शान्ति सरोवर, रायपुर फोन:२२८२५२६